अमृत विचार

ीया विक्रम संवत 2083 | बरेली | सोमवार, 1 जून 2026, वर्ष 7,

PAGE NO :IV BOTTOM

आयोजन

ट्रेन में हुई घटना से शुरू होकर अदालत में न्याय मिलने तक की कहानी ने बांधे रखा

'सांच' ने दिखाई सच की ताकत, भावुक हो उठे दर्शक

कार्यालय संवाददाता, बरेली

एसआरएमएस रिद्धिमा में नाटक का मंचन करते कलाकार। ● अमृत विचार

- रिद्धिमा में नाटक का मंचन महिलाओं के प्रति अपराध पर केंद्रित रही प्रस्तुति
- सूर्यकान्त चौधरी के संगीत और कलाकारों के गायन ने नाटक में जान फूंक दी

अमृत विचारः एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार को डॉ. प्रभाकर गुप्ता और अश्वनी कुमार लिखित नाटक 'सांच' का मंचन हुआ। विनायक कुमार श्रीवास्तव की ओर से निर्देशित इस नाटक में समाज में बढ़ती संवेदनहीनता, महिलाओं के प्रति अपराध, सत्ता के दुरुपयोग और सच बोलने के साहस को बेहद प्रभावशाली ढंग से दिखाया गया। इस प्रस्तुति ने दर्शकों को झकझोर दिया।

नाटक की कहानी ट्रेन में सफर करने वाली नौकरी पेशा लड़की सोनिया से शुरू होती है। ट्रेन में विक्की, रोहित और नयन नाम के तीन रसूखदार गुंडे उसे परेशान करते हैं। जब सह-यात्री आर्यन इसका विरोध करता है, तो गुंडे उसे चलती ट्रेन से नीचे फेंक देते हैं, जिससे उसकी मौत हो जाती है। आरोपी विक्की स्थानीय विधायक वर्मा का भतीजा है। विधायक के रसूख के आगे नतमस्तक इंस्पेक्टर विजय, सोनिया के मंगेतर अभिषेक के जरिए उस पर बयान बदलने का दबाव बनाता है। विधायक सोनिया और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी देता है, जिससे डरकर सोनिया शुरू में झूठा बयान दे देती है। लेकिन बाद में सोनिया को अपनी अंतरात्मा में आर्यन का साया दिखाई देता है, जो उसे सच के लिए लड़ने का हौसला देता है। अंततः सोनिया कोर्ट में डरे बिना सच बोलती है। अदालत तीनों दोषियों को कड़ी सजा सुनाती है। आरोपी विधायक और इंस्पेक्टर पर भी मुकदमा चलाने का ऐतिहासिक आदेश देती है। चेष्टा मौर्य, गौरव कार्की, आशीष कश्यप, सुबोध शुक्ला, मानेश यादव आदि कलाकारों ने शानदार अभिनय किया। सूर्यकान्त चौधरी के संगीत और कलाकारों के गायन ने नाटक में जान फूंक दी। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति, देविशा मूर्ति, ऊषा गुप्ता, डा. रजनी अग्रवाल, सुभाष मेहरा आदि मौजूद रहे।